मनोविज्ञान

रॉबर्ट ए. बैरन

मनोविज्ञान

DROLIA PUSTAK BHANDAR
Yoga, Ayurveda, Religious Books & Satkarma
Acupressure evam Magnate Goods
09458949381, 01334-260614,09837300687
Near Bharat Mata Mandir, Haridwar-249410 (U.K.) INDIA
E-mail : drolia_books@yahoo.co.in
Website : www.droliabooks.com

पांचवें संस्करण का हिंदी अनुवाद

University Department of Yoga RU
No/PGDYI...259
Library

रॉबर्ट ए. बैरन
रेनसीलर पोलिटैक्निक इंस्टीट्यूट

माईकल जे. केलशर
की विशेष सहायता के साथ

PEARSON

विषय सूची

प्रस्तावना		v
लेखकों के विषय में		vi
1.	मनोविज्ञान : एक विज्ञान ... और एक परिप्रेक्ष्य	1-17
2.	व्यवहार के जैविकीय आधार	18-34
3.	संवेदन और प्रत्यक्षण : अपने आसपास के संसार से संपर्क	35-56
4.	चेतना की अवस्थाएं	57-77
5.	अधिगम: हम अनुभव के द्वारा कैसे बदलते हैं	78-98
6.	स्मृति: उन चीजों की जो याद थीं... तथा जिन्हें भूल गए	99-121
7.	संज्ञान: चिंतन, निर्णय लेना और संप्रेषित करना	122-138
8.	मानव विकास-1 : बचपन के वर्ष	139-163
9.	मानव विकास-2 : किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था तथा बुढ़ापा	164-188
10.	अभिप्रेरणा और संवेग	189-210
11.	बुद्धि : संज्ञानात्मक, व्यावहारिक तथा सांवेगिक	211-229
12.	व्यक्तित्व : मनुष्य के व्यवहार की अद्वितीयता तथा समानता	230-251
13.	स्वास्थ्य, तनाव और मुकाबला	252-272
14.	मानसिक विकार : उनकी प्रकृति और कारण	273-301
15.	चिकित्साएं : मानसिक विकारों को कम करने की तकनीकें	302-333
अनुक्रमणिका		334-338

मनोविज्ञान

रॉबर्ट ए. बैरन

सामान्य मनोविज्ञान पर हिंदी में उपलब्ध पुस्तकों में यह पुस्तक एक उल्लेखनीय योगदान है। इसकी प्रस्तुतिकरण शैली अद्वितीय और अत्यंत प्रभावशाली है। जटिल मुद्दे वैज्ञानिक विधि से सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए हैं। सामान्यतः सभी लोगों और विशेषतः पूर्वस्नातक छात्रों के लिए मानव जीवन की समायोजन प्रक्रियाओं के मनोवैज्ञानिक पहलू को समझने में यह पुस्तक अत्यंत रोचक और उपयोगी सिद्ध होगी।

डॉ. जी. पी. ठाकुर, भूतपूर्व डीन, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान और प्रोद्यौगिकी संकाय, एम. जी. विद्यापीठ, वाराणसी

गुणवत्तापूर्ण शोध पर आधारित बैरन की पुस्तक 'मनोविज्ञान' में पूर्वस्नातक और स्नातकोत्तर, दोनों कक्षाओं के छात्रों के लिए पर्याप्त पाठ्य सामग्री मौजूद है। यह पुस्तक हिंदी भाषा में गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तक की कमी दूर करती है।

डॉ. विद्यारानी, प्रोफेसर, मगध महिला महाविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय, पटना

बैरन की पुस्तक 'मनोविज्ञान' पूर्व-स्नातक और स्नातकोत्तर, दोनों कक्षाओं के छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसमें मनोविज्ञान की अवधारणाओं को पूर्ण स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया है। मैं अपने सभी छात्रों से इसे मनोविज्ञान की आधारभूत पाठ्यपुस्तक के रूप में प्रयोग करने की सिपफारिश करती हूं।

डॉ. प्रियदर्शिनी नारायण, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना

यह पुस्तक नवीनतम शोध के आधार पर मनोविज्ञान के महत्वपूर्ण विषयों पर वैचारिक चिंतन उपागम के साथ संबंधित अनुप्रयोग और छात्र-केंद्रित विशेषताएँ और कार्यकलाप प्रस्तुत करती है।

पुस्तक की विशेषताएँ :

- मनोविज्ञान और सामाजिक मनोविज्ञान के अनेक क्षेत्रों में महारत हासिल, पुरस्कार विजेता अध्यापक और शोधकर्ता द्वारा लिखित प्रयोक्ता अनुकूल, वार्तालाप शैली में लेखन।
- 'शोध विधि : मनोविज्ञान अध्ययन किस प्रकार ...' नामक विशेष खंड में प्रचलित मनोविज्ञान शोध विधियों में पूर्णरूपेण और समग्र रूप में प्रस्तुत किया गया है, ताकि पाठक समझ सकें कि मनोवैज्ञानिक अनेक महत्वपूर्ण प्रश्नों की जाँच किस प्रकार करते हैं।
- 'समाचारों से आगे' खंड में ताज़ा घटनाओं पर वैचारिक चिंतन के दृष्टिकोण से ध्यान केंद्रित किया गया है।
- यह पाठक को दोषपूर्ण शोध से बचने, वैकल्पिक स्पष्टीकरण देने और मानव व्यवहार के दायरे को स्पष्ट करने और समझने में मनोवैज्ञानिकों की भांति सोचने की चुनौती प्रस्तुत करती है।

ISBN 978-81-317-3075-1

9 788131 730751

www.pearson.co.in

Cover Image: Jenn Huls. Shutterstock

/PearsonIN

ALWAYS LEARNING

PEARSON